Mr. Chairman: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Indian Majority Act, 1875."

The motion was adopted.

Shri Jhulan Sinha: I introduce the Bill

CASTE DISTINCTIONS REMOVAL BILL

Shri Dabhi (Kaira North): I beg to move for leave to introduce a Bill to remove official recognition of caste distinction among Hindus.

Mr. Chairman: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to remove official recognition of caste distinction among Hindus."

The motion was adopted.

Shri Dabhi: I introduce the Bill.

INDIAN MEDICAL COUNCIL (AMENDMENT) BILL

(*Amendment of sections* 3, 5 *and* 8 *etc.*)

Sardar A. S. Saigal (Bilaspur): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Indian Medical Council Act, 1933.

Mr. Chairman: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Indian Medical Council Act, 1933."

The motion was adopted.

Sardar A. S. Saigal: I introduce the Bill

INDIAN CATTLE PRESERVATION BILL—*contd.*

Mr. Chairman: The House will now take up further consideration of the following motion moved by Seth Govind Das on the 27th November, 1953:—

"That the Bill to preserve the milch and draught cattle of the country, be taken into consideration."

डा० एन० बी० खरे (ग्वालियर): अध्यक्षा महोदया, यह जो प्रश्न हमारे मित्र सेठ गोविन्द दास ने इस विधेयक के रूप में इस सदन के सामने उपस्थित किया है, यह सदियों से लटक रहा है, त्रिशंक के समान न जमीन का है और न आसमान का है, बीच में लटक रहा है। इस की पार्श्व भूमि यह है कि जब यहां पर मुसलमानों का राज्य आया हम जब परतंत्र हुए, मुसलमानों ने हम को जीत लिया, उस वक्त से यहां पर गोहत्या की प्रथा जारी हो गयी, कुछ खुराक के लिये और कुछ कुर्बानी के लिये, लेकिन यह कहा जा सकता है कि मुसलमानों ने भी इस प्रश्न की उपेक्षा बहुत नहीं की और मुसलमानी शासन काल का इतिहास हमें बतलाता है कि बाबर, हमायूं अकबर और जहांगीर आदि बादशाहों ने वक्तन फवक्तन गोहत्या निषेध के फ़रमान निकाले हैं। बादशाह शाहआलम ने भी इस प्रकार के फरमान निकाले, लेकिन इस के लिये कहा जा सकता है कि वह महादा जी सिन्धिया के जेरे असर था, उनकी पावर में था, लेकिन उसके पहले जो मुसलमान बादशाह गुजरे, उन के बारे में यह बात नहीं कही जा सकती। फिर उस के बाद यह दूसरी बात है कि हिन्दू और मुसलमान दोनों पराभूत हो गये और अंग्रेजों के राज्य ने यहां अपने कदम जमाये। अंग्रेज चाहते थे कि इस देश के ऊपर वह हमेशा के लिये राज्य करें, इस वास्ते इस देश में जो दो कौमें हिन्दू और मुसलमान बसती हैं, उन में मतभेद और फूट पैदा करने के हेतु अंग्रेजों का सदा प्रयत्न रहा और यह सब को विदित